मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. (हिन्दी))

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *(i) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. 'दलित' पदबंध का आशय स्पष्ट करते हुए दलित साहित्य आंदोलन की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए। 10
2. दलित साहित्य के उद्‌भव एवं विकास में अम्बेडकरवादी वैचारिकी की भूमिका की विवेचना कीजिए। 10
3. 'सत्यशोधक समाज' के सिद्धांतों का मूल्यांकन कीजिए। 10
4. "हिन्दू कोड बिल' हिन्दू स्त्री की प्रगति और उसके अधिकार का संवैधानिक कानून है।" विवेचना कीजिए। 10

5. "वर्ण व्यवस्था को प्रेमचंद मार्क्सवादी वर्गचेतना के आलोक में देखते हैं।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10

6. स्त्री मुक्ति सम्बन्धी पेरियार के विचारों की समीक्षा कीजिए। 10

7. दलित आत्मकथाओं के महत्व पर प्रकाश डालिए। 10

8. स्वामी अछूतानंद के सामाजिक सुधार आंदोलन की विवेचना कीजिए। 10

9. नारायण गुरु के सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलन की समीक्षा कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times5=10$

(क) 'अछूत की शिकायत' कविता का मूल्यांकन

(ख) निराला के दलित पात्र

(ग) नागार्जुन की दलित प्रतिबद्धता

(घ) ज्योतिबा फुले के स्त्री शिक्षा सम्बन्धी योगदान

× × × × ×